सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 27 अक्टूबर, 2025
वर्ष: 02, अंक: 285, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

» Pg12
जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा: मुख्यमंत्री योगी

इनसाइड ग्राम सुरार में राजस्व तंत्र की मिलीभगत से लूट... » Pg02

बुरे फंसे सीएमएस, निलंबन के साथ केस दर्ज

मेरी अर्थी क्यों, सरकार और योगी की निकालिए

बयान देना पड़ा महंगा, वीडियो वायरल होने पर मचा हड़कंप, एडी हेल्थ को सौंपी गई जांच की जिम्मेदारी, एफआईआर दर्ज

» सतारा (महाराष्ट्र), एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में ग्राम वीरसिंहपुर स्थित 100 शैय्या संयुक्त अस्पताल के सीएमएस डॉ. भास्कर प्रसाद को सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ बयान देना महंगा पड़ गया है। शासन तक बयान का वीडियो पहुंचते ही एक्शन हुआ है। सीएमएम को निलंबित कर दिया गया। तीन दिन पहले आम आदमी पार्टी के धरना प्रदर्शन के दौरान सीएमएम ने सरकार के खिलाफ टिप्पणी की थी। इसका वीडियो वायरल होने पर एडी हेल्थ को जांच की जिम्मेदारी दी गई थी। रविवार को उन्होंने जांच की थी। माना जा रहा है कि उनकी रिपोर्ट के बाद ही यह एक्शन हुआ है। इसके साथ ही भाजपा के मंडल अध्यक्ष की तहरीर पर जयसिंहपुर थाने में सीएमएस के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज करा दिया गया है।

दरअसल आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे के नेतृत्व में बिरसिंहपुर

अस्पताल में तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन शुरू हुआ तो सीएमएस डॉ. भास्कर प्रसाद ने प्रदर्शन समाप्त कराने का प्रयास किया था। इसी बातचीत के दौरान प्रदेश प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो सीएमएस और सीएमओ की अर्थी निकाली जाएगी। इस पर सीएमएस ने जवाब दिया मेरी और सीएमओ की अर्थी क्यों निकालोगे, सरकार और योगी की निकालो। सीएमएस के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

जयसिंहपुर पुलिस को भाजपा मण्डल अध्यक्ष शोभनाथ यादव ने तहरीर देकर कहा कि 25 अक्टूबर को कुछ राजनैतिक दल के लोग बिरसिंहपुर अस्पताल गए थे। अस्पताल में जो गड़बड़ियां थीं, डाक्टर की अनुपस्थिति को लेकर अस्पताल के सीएमएस डा. भास्कर प्रसाद से पूंछा कि डाक्टर नही हैं दवा की कमी है। इसके बाद सीएमएस ने सरकार के खिलाफ सार्वजनिक रूप से लोगों को प्रोत्साहित किया। इससे पार्टी के कार्यकर्ताओं का मन खिन्न है।

भाजपा के मंडल अध्यक्ष ने सीएमएस पर अनुशासन हीनता का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की जिस पर जयसिंहपुर पुलिस ने मुक़दमा दर्ज कर लिया है। उधर शासन स्तर से सीएमएस पर प्रदेश सरकार के सम्बन्ध में अमर्यादित भाषा और आपत्तिजनक टिप्पणी करने, अस्पताल में भर्ती मरीजों को बाहर से दवा लिखे जाने, बायोमेडिकल वेस्ट में मानकों का अनुपालन नही किए जाने, सरकारी कर्मचारी नियमावली का उलंघन्न आदि के आरोप में निलम्बित कर दिया गया है।

भास्कर प्रसाद को बड़बोलापन ले डूबा

संजय सिंह की पोस्ट से भड़के भाजपा नेता

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इस वीडियो को एक्स पर पोस्ट किया तो मामला और गहरा गया। सीएम योगी के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी से भाजपा नेताओं में उबाल आ गया। विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने अयोध्या के एडी स्वास्थ्य से बात कर सीएमएस पर कार्रवाई की मांग की। सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने नाराजगी व्यक्त की। डीएम से वार्ता कर इस मामले में कार्रवाई करने को कहा। डीएम ने डीजी हेल्थ से वार्ता की। इसके बाद एडी अयोध्या प्रकरण की जांच करने के लिए पहुंचे थे।

समाज पर कलंक

क्या कोई पिता ऐसा करेगा? पीड़िता ने दी पिता के खिलाफ गवाही

बेटी का रेप कर गर्भवती करने वाले को आजीवन कारावास!

» अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर), एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में सत्र न्यायालय ने एक व्यक्ति को अपनी 15 वर्षीय बेटी का यौन उत्पीड़न, बलात्कार और गर्भवती करने के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह सजा अनंतनाग के प्रिंसिपल सेशन जज ताहिर खुर्शीद रैना ने दी, जिन्होंने इस अपराध को अत्यंत नीचता, मानसिक विकृति और नैतिक मूल्यों के पतन का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि वह इस अपराध से स्तब्ध हैं। बलात्कार पीड़िता ने अदालत में अपने पिता के खिलाफ गवाही दी और आंसुओं से भीगी हुई थी।

जज रैना ने कहा, गहरे सदमे की स्थिति में बलात्कार पीड़िता ने अपने दोषी पिता से पूछा, उसने इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए उसे दबाया था। क्या कोई पिता अपनी बेटी के साथ ऐसा करता है? यह सवाल पीड़िता ने अदालत में दोषी पिता के खिलाफ गवाही देते हुए आंसुओं के साथ पूछा। जस्टिस ने कहा कि यह सवाल हमारे समाज को जगाने के लिए एक कॉल था, जो बच्चों की सुरक्षा के बारे में गंभीर सवाल उठाता है।

बेटियों की सुरक्षा पर सवाल

अदालत की ओर से कहा गया, क्या हमारी बेटियां इतनी सुरक्षित हैं कि वे जीवित रह सकें, टिक सकें और अपने जीवन का पूरा आनंद ले सकें? क्या वे वास्तव में अपने घरों में सुरक्षित हैं? पीड़िता की ओर से अपने दोषी पिता से पूछा गया यह सवाल आंख खोलने वाला है। यह विडंबना भी है कि अदालत एक अन्य मामले की सुनवाई कर रही है, जिसमें दादा पर अपनी पोती के साथ दो साल तक लगातार बलात्कार करने का आरोप है।

15 साल की थी पीड़िता

रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता उस समय लगभग 15 वर्ष की थी, जब उसके पिता ने 25 जनवरी 2022 को उसके साथ बलात्कार किया और उसे गर्भवती कर दिया। अनंतनाग के महिला पुलिस स्टेशन में आरोपी व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 376(3) बलात्कार और 506 (आपराधिक धमकी) के साथ-साथ बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम, 2012 पॉक्सो एक्ट की धारा 6 गंभीर यौन हमला के तहत अपराध दर्ज किए गए।

ग्राम सुरार में राजस्व तंत्र की मिलीभगत से लुट रही सरकारी जमीन

» भू-माफियाओं से मिलीभगत कर सरकारी ज़मीन पर कराया कब्ज़ा, फर्जी रिपोर्ट लगाकर बचाया मामला

» एसडीएम के आदेशों के बाद भी कार्रवाई अधूरी, रातों-रात फिर शुरू हुआ कब्जे का खेल

तहसील अधिकारियों के सरंक्षण से स्थानीय लेखपाल अनिल कुमार बना भूमाफियाओं का हथियार

एसडीएम सदर की रोक के बावजूद इस तरह से रात में किए जा रहे सरकारी जमीन पर कब्जे

»प्रमुख संवाददाता,स्वराज इंडिया

कानपुर। सदर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत सुरार में सरकारी ऊसर भूमि पर कब्ज़े का मामला अब पूरे राजस्व तंत्र की मिलीभगत का खुला सबूत बन गया है। लेखपाल अनिल कुमार और नायब तहसीलदार रिचा सचान की भूमिका सवालों के घेरे में है। जिलाधिकारी के स्पष्ट आदेश के बावजूद, न तो लेखपाल पर कोई मुकदमा दर्ज हुआ और न ही निलंबन की कार्रवाई की गई।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, आराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 जो राजकीय ऊसर भूमि है, उसे अनिल कुमार ने अपनी रिपोर्ट में निजी भूमि बताते हुए भू-माफिया वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव के कब्ज़े में दिलवा दिया। लिहाजा बदले में लाखों रुपये की रिश्वत की चर्चा अब पूरे तहसील परिसर में आम हो चुकी है।

रातों-रात गिराई बाउंड्री,पर नए कब्जे का खेल शुरू

स्वराज इंडिया की लगातार पड़ताल के बाद जब भू-माफियाओं में हड़कंप मचा तो उन्होंने रात के अंधेरे में खुद अपनी बनाई बाउंड्री वॉल गिरवा दी लेकिन मामला यहीं नहीं रुका। एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार रिचा सचान के द्वारा बुलडोज़र की सीमित कार्रवाई के बाद अब फिर से उसी भूमि पर नई प्लॉटिंग और निर्माण कार्य शुरू हो गया है। एक भू माफिया ने तो सरकारी भूमि पर कमरा तक बनवा लिया है, जो प्रशासन को सीधी चुनौती है। सुरार ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान पंकज यादव ने पहले तो माफियाओं के खिलाफ शिकायत दी थी, पर बाद में शिकायत वापस ले ली। अब स्थानीय सूत्रों का ऐसा दावा है कि ग्राम प्रधान को भी लेखपाल की तरह चुप रहने के लिए मोटी रकम दी गई है।

प्रशासन के दावों और ज़मीनी हकीकत के बीच का यह फासला अब भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी मिसाल बन गया है। यहां पर योगी सरकार की 'भूमाफिया मुक्त प्रदेश' नीति की उड़ रही धज्जियां, इस बात का सबूत हैं कि भ्रष्ट अफसरों की मिलीभगत से सरकारी ज़मीन पर नए निर्माण शुरू हो चुके हैं। योगी सरकार के भू माफियाओं के खिलाफ लगातार सख्त रुख और कानपुर के कड़क जिलाधिकारी के बाद भी यहां का राजस्व अमला बेखौफ होकर भू-माफियाओं के साथ सौदेबाजी में जुटा है। स्वराज इंडिया इस पूरे भूमि घोटाले की हर परत खोलता रहेगा क्योंकि सवाल अब सिर्फ ज़मीन का नहीं, ईमान का है।

वहीं एसडीएम का कहना है कि मामले की जानकारी है, अवैध कब्जा करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

महाराजपुर विधानसभा में लॉयर्स पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

» समाजवादी पार्टी नेता मनोज शुक्ला द्वारा आयोजित किया गया समारोह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर नगर।महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के सैनिक चौराहा स्थित उमा उपवन गार्डन में समाजवादी पार्टी के नेता मनोज शुक्ला द्वारा कानपुर नगर के लॉयर्स एसोसिएशन के निर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रविन्द्र सिंह यादव उपस्थित रहे। उनके करकमलों से लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश वर्मा एवं महामंत्री राजू यादव सहित निर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि जस्टिस रविन्द्र सिंह यादव को आयोजन समिति की ओर से चांदी का मुकुट, साल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे । इनमें पूर्व मंत्री पवन पांडे,

पूर्व सांसद राजा रामपाल,सपा के प्रांतीय नेता एवं कानपुर देहात के पूर्व जिला अध्यक्ष वीर सेन यादव,

कानपुर ग्रामीण सपा के जिला अध्यक्ष मुनेंद्र शुक्ला,

पूर्व विधायक अर्पणा जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम आयोजक मनोज शुक्ला ने सभी अतिथियों का स्वागत साल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर किया। समारोह में बड़ी संख्या में अधिवक्ता, सपा कार्यकर्ता और सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति पर सख्ती, जल्द जारी होंगी नई गाइडलाइन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो, कानपुर।

प्रदेशभर के एक लाख से अधिक परिषदीय स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर अब सरकार सख्त रुख अपनाने जा रही है। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद बेसिक शिक्षा विभाग हरकत में आ गया है और उम्मीद जताई जा रही है कि 30 अक्तूबर को होने वाली अगली सुनवाई से पूर्व शिक्षकों की उपस्थिति से संबंधित नई गाइडलाइन जारी की जा सकती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव (बेसिक शिक्षा) सहित संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया था कि परिषदीय स्कूलों में अध्यापकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

साथ ही शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस प्रणाली को प्रभावी बनाने और जिला व ब्लॉक स्तर पर टास्क फोर्स गठित करने का भी निर्देश दिया गया था ताकि शिक्षकों की वास्तविक उपस्थिति पर निगरानी रखी जा सके।

अदालत ने यह भी कहा था कि स्कूलों में शिक्षकों की गैरमौजूदगी बच्चों के नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई एक्ट 2009) का उल्लंघन है और

» 30 अक्तूबर से पहले आ सकते हैं दिशा-निर्देश

इससे गरीब बच्चों के शिक्षा पाने के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

हालांकि बेसिक शिक्षा विभाग ने टैबलेट के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था पहले से लागू कर रखी है।

लेकिन शिक्षकों द्वारा इसमें रुचि न लेने के कारण यह व्यवस्था प्रभावी नहीं हो सकी है ।समग्र शिक्षा अभियान द्वारा हाल में जारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेशभर में कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत 1,28,98,383 छात्र-छात्राओं में से केवल 21,65,138 (16.79त्न) की उपस्थिति ही ऑनलाइन दर्ज हुई, जबकि 1,32,643 स्कूलों में तैनात 6,12,642 शिक्षकों में से 100 से भी कम शिक्षकों ने डिजिटल उपस्थिति दर्ज की ।सरकार अब इस मामले में सख्ती दिखाते हुए ऐसी गाइडलाइन जारी करने की तैयारी में है जिससे हर शिक्षक की उपस्थिति डिजिटल रूप से दर्ज हो और इसकी निगरानी सीधे जिला व राज्य स्तर से की जा सके। अब देखना यह होगा कि नई गाइडलाइन लागू होने के बाद शिक्षकों की उपस्थिति व्यवस्था में कितना सुधार आता है।

'चिराग तले अंधेरा'

नगर निगम और केडीए मुख्यालय के पीछे गंदगी और बदहाली का आलम

» नगर निगम और केडीए के पीछे का इलाका गंदगी, टूट-फूट और अव्यवस्था का प्रतीक बन चुका है

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कहते हैं, जब घर का आंगन ही गंदा हो, तो शहर की सफाई पर क्या भरोसा किया जा सकता है – और कानपुर नगर निगम व कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के मुख्यालय की हालत इस कहावत को सच साबित कर रही है।मोतीझील स्थित इन दोनों प्रतिष्ठानों की इमारतें शहर की योजना, स्वच्छता और विकास की जिम्मेदारी संभालती हैं, लेकिन इनके अपने परिसर के पीछे का हिस्सा इनकी कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

स्वराज इंडिया के फोटोग्राफर द्वारा ली गई तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि नगर निगम और केडीए के पीछे का इलाका गंदगी, टूट-फूट और अव्यवस्था का प्रतीक बन चुका है। उद्यान विभाग के कार्यालय के बाहर सड़क जगह-जगह से टूटी पड़ी है, बारिश के पानी का जमाव लगातार बना रहता है, और बदबू से हाल बेहाल है।

पास में बना सार्वजनिक शौचालय पूरी तरह ध्वस्त पड़ा है — न सफाई, न रखरखाव, बस मलबा और गंदगी। आसपास कूड़े और कबाड़ के ढेर लगे हैं,

जहां कभी-कभी आवारा जानवर भी घूमते नजर आते हैं। हालात ऐसे हैं कि ये जगह किसी सरकारी दफ्तर के परिसर की नहीं बल्कि किसी परित्यक्त जगह की तरह दिखती है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसी परिसर से रोजाना नगर निगम और केडीए के अधिकारी शहर की सफाई, सौंदर्यीकरण और विकास योजनाओं की समीक्षा करने निकलते हैं। सवाल यह उठता है कि जो संस्थाएं पूरे शहर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित रखने की जिम्मेदारी निभा रही हैं, वे अपने ही मुख्यालय की स्थिति क्यों नहीं संभाल पा रहीं?

शहरवासियों की राय भी तीखी है

पूर्व पार्षद कमल शुक्ल बेबी, नमिता मिश्र सहित अन्य स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब नगर निगम और केडीए अपने घर को साफ नहीं रख सकते, तो आम जनता से सफाई के प्रति जागरूकता की उम्मीद कैसी की जा सकती है?यह दृश्य न केवल अधिकारियों की अनदेखी का प्रतीक है, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र के प्रति सवाल उठाता है — क्या सफाई सिर्फ रिपोर्टों और बैठकों तक सीमित रह गई है?

नगर निगम और केडीए अपने ही आंगन की सुध लें, ताकि कम से कम शहर को यह संदेश मिले कि स्वच्छता की शुरुआत अपने घर से होती है।

दीनू के साथी पिता-पुत्र समेत तीन गिरफ्तार

जेल गए, दो पीड़ितों ने दर्ज कराई थी रिपोर्ट

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। धोखाधड़ी, जमीन कब्जाने के मामले में नौबस्ता पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। दो पीड़ितों ने मई में नौबस्ता थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।नौबस्ता पुलिस ने सोनभद्र जेल में बंद अधिवक्ता दीनू उपाध्याय के गुर्गे गोपाल सिंह, उसके पिता तारा सिंह और साथी सलमान को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। इनके खिलाफ दो पीड़ितों ने मई में नौबस्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सभी को उनके घर से गिरफ्तार किया गया है।

16 मई को यशोदानगर निवासी बृजराज सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि दीनू, उसका साथी अरिदमन गोपाल सिंह, उसका पिता तारा सिंह आदि ने गैंग बनाकर सरकारी जमीन पर कब्जा कर उसे बेच डाला।

मामले की जांच में आरोप सही पाए गए थे। इसके बाद पुलिस ने धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, सरकारी संपत्ति कब्जाने, रंगदारी मांगने आदि की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी।

वहीं, 21 मई को बर्रा छह हरी मस्जिद निवासी कासिम रजा ने नौबस्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके अनुसार जमीन खरीदने के सिलसिले में उनकी मुलाकात वर्ष 2010 में रामप्रताप सिंह, उसके भाई राजा सिंह व दामाद अधिवक्ता अरिदमन सिंह से हुई थी। इन लोगों ने बूढ़पुर मछरिया निवासी भतीजे गोपाल सिंह की जमीन बेचने की बात कही थी। चार लाख में सौदा तय होने पर उन्होंने सन 2011 में रुपये देकर रजिस्ट्री करा ली।

सन 2012 में पता चला कि राज्य सरकार की जमीन को रामप्रताप सिंह, अरिदमन, गोपाल सिंह, उसके पिता तारा सिंह आदि ने फर्जी दस्तावेज के सहारे मालिकाना हक दिखाते हुए बेचा था। छोड़ने के एवज में तीन लाख रुपये की रंगदारी मांगी। एक लाख रुपये लेने के बाद सादे कागज पर हस्ताक्षर कराकर दो लाख रुपये की मांग की। मामले की विवेचना में सलमान का नाम सामने आया था।

कारोबारी से 50 लाख की रंगदारी मांगने वाला अरेस्ट

कन्नौज के तिसौली गांव से दबोचा गया फरार आरोपी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर के सराफा कारोबारी से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और गोली चलाने के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने आखिरकार पकड़ लिया। पकड़ा गया आरोपी कमल किशोर पुत्र कोतवाल कन्नौज जिले के तालग्राम क्षेत्र के तिसौली गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसे उसके घर के बाहर से गिरफ्तार किया है। सराफा कारोबारी अनिल कुमार गुप्ता, जो मूल रूप से गोविंद नगर, कानपुर के निवासी हैं और बिल्हौर में उनकी दुकान है, उन्हें बीते दिनों फिर से धमकी भरा कॉल आया था। कॉल करने वाले ने कहा कि पहले मांगे गए थे, पैसे अभी तक क्यों नहीं दिए और पैसे न देने पर गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। धमकी मिलने के बाद कारोबारी ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कॉल डिटेल और मोबाइल लोकेशन के आधार पर जांच शुरू की। टीम को पता चला कि कॉल कन्नौज के तालग्राम क्षेत्र से किया गया था। पुलिस ने तकनीकी निगरानी के साथ दबिश दी और कमल किशोर को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि पूछताछ में कमल किशोर ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। आरोपी पहले भी इसी गैंग से जुड़ा रहा है, जिसने जून महीने में कारोबारी पर गोली चलाने की कोशिश की थी।

पहले भी हो चुका था हमला

बता दें कि बीते इसी इसी वर्ष जून में अनिल कुमार गुप्ता जब दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर फायरिंग की थी। हमले के बाद कारोबारी से फोन पर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। पुलिस ने उस समय चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि कमल किशोर फरार चल रहा था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, कमल किशोर के खिलाफ कन्नौज जिले में पहले से दो आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। शनिवार को पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक प्रेमवीर सिंह और यादवेंद्र यादव शामिल रहे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के दौरान कुछ नए नाम भी सामने आए हैं, जिनकी भूमिका की जांच की जा रही है। जल्द ही रंगदारी और फायरिंग में शामिल अन्य लोगों पर भी शिकंजा कसा जाएगा

प्राचीन शिव मंदिर में शिवलिंग व नंदी खंडित

गौरी लक्खा में अराजकतत्वों की हरकत से ग्रामीणों में आक्रोश, एक युवक हिरासत में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

चौबेपुर, बिल्हौर(कानपुर)। गौरी लक्खा गांव स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शनिवार रात हुई असामाजिक हरकत से पूरा गांव आक्रोश में है। अज्ञात व्यक्तियों ने मंदिर परिसर में स्थापित शिवलिंग और नंदी की प्रतिमा को खंडित कर दिया। रविवार सुबह जब भक्त पूजा के लिए पहुंचे, तो टूटी मूर्तियों को देखकर हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में सैकड़ों ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और घटना के विरोध में नारेबाजी करने लगे।

सूचना मिलते ही चौबेपुर पुलिस मौके पर पहुंची और डॉग स्क्वाड व फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया। पुलिस ने मंदिर परिसर से साक्ष्य जुटाए हैं। मंदिर के सर्वराकार मनु बाजपेई ने अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि मंदिर का हाल ही में जीर्णोद्धार हुआ था और उनके पूर्वज भी वर्षों से यहां पूजन-अर्चन करते रहे हैं।

थानाध्यक्ष आशीष चौबे ने बताया कि गांव के ही एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल भी गांव में तैनात किया गया है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी घटना से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण रखने के लिए गांव में पुलिसकर्मियों की तैनाती की है।

बिल्हौर सीएचसी में प्रसूता की मौत से मचा हंगामा!

परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्हौर में रविवार की रात डिलीवरी के लिए भर्ती एक प्रसूता की उपचार के दौरान मौत हो गई। वाहन मिलने में देरी से महिला की जान चली गई। परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हालात संभाले।

जानकारी के अनुसार, कन्नौज जनपद के मोचीपुर गांव निवासी सोनू गौतम रविवार दोपहर अपनी 20 वर्षीय पत्नी गुड़िया को प्रसव पीड़ा होने पर बिल्हौर सीएचसी लेकर पहुंचे थे। देर रात महिला की हालत अचानक गंभीर हो गई। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे एलएलआर अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया, लेकिन एम्बुलेंस आने में करीब एक घंटे की देरी हो गई। इस बीच प्रसूता की मौत हो गई।

पुलिस ने शांत कराया मामला, पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

मृतका की मौत की खबर फैलते ही परिजन भड़क गए और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में हंगामा करने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और समझा-बुझाकर परिजनों को शांत कराया।

थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि मृतका के परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

शिवराजपुर थाने से गूंजी सुलह की मधुर शहनाई, सुलझाए विवाद

परिवार में लौटी खुशियां, पुलिस ने जोड़ दिए दो बिखरे घरों के रिश्ते

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

शिवराजपुर (कानपुर)। कभी मनमुटाव ने जुदा किया था, अब पुलिस ने समझदारी ने फिर से मिला दिया। शिवराजपुर थाना परिसर रविवार को दो वैवाहिक रिश्तों के पुनर्मिलन का गवाह बना। राधन और धमनी निवादा गांवों के दो दंपतियों के बीच पिछले लंबे समय से चल रहे वैवाहिक विवाद को पुलिस ने सुलझाकर घरों में खुशियां लौटा दीं। पुलिस की इस कार्यशैली की अब चारों ओर प्रशंसा हो रही है।

परिवार परामर्श केंद्र में नियुक्त महिला उप निरीक्षक साधना कुमारी और उप निरीक्षक यशवीर सिंह ने दोनों जोड़ों को शांतिपूर्वक आमने-सामने बैठाया। बातचीत के दौरान जब गिले-शिकवे दूर हुए, तो तल्खियां खुद-ब-खुद पिघल गईं। कुछ ही देर में दोनों जोड़ों ने पुलिस अधिकारियों और गांव के संभ्रांत लोगों की मौजूदगी में साथ रहने की कसम खाई। थाने का माहौल उस वक्त भावुक हो उठा, जब दोनों दंपतियों ने एक-दूसरे को गले लगाकर नए सिरे से जिंदगी शुरू करने का वादा किया। गांव के सम्मानित लोग अंकित तिवारी, मुकेश रवि ठाकुर और जगदीश त्रिवेदी ने पुलिस की इस पहल को सराहते हुए कहा कि शिवराजपुर पुलिस ने सिर्फ कानून की नहीं, बल्कि रिश्तों की भी रक्षा की है।

थाने की इस पहल ने साबित कर दिया कि जब बातचीत और समझदारी से काम लिया जाए, तो कोई भी विवाद इतना बड़ा नहीं होता कि रिश्ते टूट जाएं।

सम्पादकीय

महिला क्रिकेटरों से छेड़छाड़ दुखद

देश में स्वच्छता के तमाम मानक सिद्ध करने वाले इंदौर में दो आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों का पीछा किए जाने और छेड़छाड़ की घटना देश को शर्मसार करने वाली है। ऐसे वक्त में जब देश वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल और 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का दावा कर रहा है, इस तरह की घटनाएं भारत की छवि को धूमिल करने वाली हैं। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप में हिस्सा लेने आई ये खिलाड़ी गुरुवार की सुबह अपने होटल से बाहर निकलीं और एक कैफे की ओर जा रही थीं। इस बीच एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू किया। उसने इन खिलाड़ियों में से एक को गलत तरीके से छुआ और फिर घटनास्थल से भाग खड़ा हुआ। विडंबना देखिए कि पुलिस को अभियुक्त को पकड़ने में डेढ़ दिन का समय लगा। बताया जाता है कि उसका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने इस निंदनीय कृत्य पर प्रतिक्रिया देने में समय लगाया। वहीं दूसरी ओर राज्य क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने संकेत दिया कि दोनों खिलाड़ियों ने संभवतः सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। वहीं दूसरी ओर आस्ट्रेलियाई टीम ने सिरे से इसका खंडन किया है। निस्संदेह, यह चूक और ज्यादा गंभीर है क्योंकि इंदौर को मेहमान टीमों के लिये एक सुरक्षित शहर माना जाता है। जाहिर है कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं थी। निस्संदेह, यह परेशान करने वाला मामला देश में अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के आयोजकों के लिये एक चेतावनी जरूर है।

यह भारत की छवि के लिये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में विदेशियों, खासकर पर्यटकों को यौन उत्पीड़न का आसान निशाना माना जाता है। इस साल, राजस्थान में एक फ्रांसीसी पर्यटक के साथ दुराचार हुआ, वहीं दूसरी ओर कर्नाटक में एक इस्राइली पर्यटक का यौन उत्पीड़न किया गया। विदेशी खिलाड़ियों की सीमित आवाजाही से उनके यौन अपराधों का शिकार होने की आशंका कम होनी चाहिए। लेकिन इंदौर की शर्मनाक घटना बताती है कि सुरक्षा में जरा सी चूक का फायदा अपराधी उठा सकते हैं।

अगले महीने होने वाली राष्ट्रमंडल खेल महासभा, अहमदाबाद में 2030 के खेलों की मेजबानी के लिये अपनी मुहर लगाने वाली है। इतने बड़े आयोजन का सुरक्षित ढंग से निष्पादित किया जाना, कई चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है। ऐसे में दुनिया भर से आने वाली महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निस्संदेह, इंदौर जैसी घटनाओं से भारत की वैश्विक छवि दांव पर लगती है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि वसुधैव कुटुम्बकम का उद्घोष सिर्फ नारा नहीं रहना चाहिए।

हम सब को मिलकर उसे व्यवहार में लाना चाहिए और इसके मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। समाज विज्ञानियों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि हमारे समाज में यौन अपराधों का ग्राफ इतनी तेजी से क्यों बढ़ रहा है। समाज में नैतिक मूल्यों को सशक्त बनाने का प्रयास शिक्षा व अन्य माध्यमों से करना चाहिए। फिलहाल जो हालात हैं।

मिले सुर मेरा तुम्हारा... पर क्या सच में मिल रहा

जयंती लाल शर्मा

नए भारत की दिक्कत यह है कि अब लोगों में परस्पर संवाद की कमी सामने आ रही है। शायद सबसे बड़ा असर भारत की विदेश नीति और खासकर भारत की अमेरिका को लेकर नीति पर होने वाली बहस पर है। जबकि लोकतंत्र कायम रखने के लिए मतभेद व असहमतियां जीवित रहनी जरूरी हैं। बीते शुक्रवार पीयूष पांडे का निधन हो गया, उसी हफ्ते जब फ्रांसेस्का ओरसिनी को भारत में प्रवेश से वर्जित कर दिया गया। विज्ञापन जगत के इस गुरु, जिन्होंने 1988 में दूरदर्शन के लिए 5.36 मिनट के 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गीत के बोल लिखे थे, अगर उन्हें पता चलता कि स्कूल ऑफ़ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज़ की इस प्रसिद्ध हिंदी-उर्दू विदुषी को मार्च माह में वीज़ा शर्तों का उल्लंघन करने की वजह से गत सप्ताह लंदन वापस भेज दिया गया, तो उन्हें दुख होता।

हालांकि यह ठीक है, उस समय ओरसिनी पर्यटक वीज़ा पर थीं, फिर भी शोधकार्य कर रही थीं – स्पष्टतः गृह मंत्रालय ने 40 सालों से भारत में काम कर रही इस प्रसिद्ध बहुभाषी इतिहासकार को स्वीकार नहीं किया। शायद, उनके सुर नहीं मिले

।पीयूष पांडे को उनके फेविकोल एड कैंपेन के लिए भी याद किया जाएगा, जिसने विविधतापूर्ण ऐसे राष्ट्र के बारे में एक अहम संदेश दिया, जो कुछ भी हो, अच्छे-बुरे, हर समय में एकजुट रहकर सफलता अर्जित करता है। यहां मुख्य बात है, 'एकजुटता कायम रहना'। भारत 78 साल का हो गया और यह एकजुटता कमोबेश बनी रही – कभी ज़्यादा, कभी कम। आपके वैचारिक रुझान के आधार पर, हम इस पर बहस कर सकते हैं कि चीजें किस हद तक बिखर रही हैं या नहीं। जो इस विचारधारा के हैं कि चीज़ें बिखर नहीं रहीं वे मिसाल देंगे कि पंजाब में कार्यरत करीब 10 लाख बिहारी प्रवासी मज़दूर, जिनको तीन दिवसीय छठ पूजा उत्सव मनाने के लिए घर ले जाने वाली ट्रेनों का आवागमन सुव्यवस्थित करने में भाजपा कृत संकल्प है-एक कहावत प्रयोग करें तो, भाजपा यह सुनिश्चित करने में कसर नहीं छोड़ रही कि यह प्रक्रिया सुचारू रहे। यह एक चतुर

चाल है। बेशक, इसका मकसद दोनों राज्यों में भाजपा की राह आसान करना है – बिहार में चुनाव नजदीक हैं, छठ के तुरंत बाद, और पार्टी को आस है कि घर वापसी की सुखद रेल यात्रा बिहारी मजदूरों को तय करने में मदद करेगी कि उन्हें किस तरफ वोट करना है। जिन्हें लगता है कि चीज़ें बिखर रही हैं, वे उदाहरण देंगे भारत से फ्रांसेस्का ओरसिनी के निष्कासन का- पहेली यह कि ऐसा क्यों किया गया, क्योंकि 'वीज़ा शर्त उल्लंघन' के अलावा कोई असल कारण नहीं बताया। पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शैली वालिया ने 'द ट्रिब्यून' में पिछले कल अपने लेख में शैक्षणिक स्वतंत्रता कायम रखने की दलील दी है, लेकिन उल्लेखनीय है कि कुछ बुद्धिजीवियों – रामचंद्र गुहा, मुकुल केसवन आदि – के अलावा देश में लेक्चरर्स, शिक्षकों या प्रोफेसरों का कोई समूह भारत से ओरसिनी के निष्कासन का विरोध करने को खड़ा नहीं हुआ। शायद बढ़ती खामोशी ही समस्या की जड़ है। कम लोग ही अपनी बात रख रहे हैं। चूंकि लोकतंत्र मतभेद व असहमतियां जीवित रखने को विपक्षी दलों पर निर्भर रहते हैं–सिवाय इसके कि आजकल विपक्षी दल या तो सिमटे पड़े हैं या फिर अप्रासंगिक हो रहे हैं– बहस करने वाले भारतीय दुर्लभ और पस्त हैं। शायद सबसे बड़ा असर भारत की विदेश नीति और खासकर भारत की अमेरिका को लेकर नीति पर होने वाली बहस पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के नाम का गलत उच्चारण कर इसे आसान नहीं बनाया। जो व्हाइट हाउस में अपने डेस्क पर बैठ 'हैप्पी दिवाली' का संदेश लिख रहे ट्रंप के दाईं ओर खड़े दिखे। वह संदेश जिसका मंतव्य भारत के लिए बधाई का क्षण होना था।

संगठित-स्वाभिमानी समाज से सशक्त भारत निर्माण

समर्पण के प्रतीक हैं

सुधीर महादेव

हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य में, जहां किसान, सैनिक, खिलाड़ी और युवक-युवती ऊर्जा और समर्पण के प्रतीक हैं, वहां संघ का विचार समाज में नई चेतना और एकता का स्रोत बन रहा है। कल्पना कीजिए–साल 1925। देश अंग्रेज़ी शासन की बेड़ियों में जकड़ा है, और नागपुर की भूमि पर एक व्यक्ति 17 साथियों के साथ यह संकल्प लेता है– 'मैं भारत की स्वतंत्रता के साथ-साथ समाज का संगठन करूंगा। संघ की प्रारंभिक प्रतिज्ञा में यह भावना स्पष्ट झलकती है– 'मैं भारत को स्वतंत्र, समृद्ध और वैभवशाली राष्ट्र बनाने के लिए तन

उस समय यह न तो कोई राजनीतिक नारा था, न ही विरोध का आंदोलन, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का बीज था, जिसे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने भारतीय एकता और आत्मसम्मान की भावना के रूपमें बोया। आज, सौ वर्ष बाद, वही बीज एक विराट वटवृक्ष बन चुका है– सेवा, संगठन, संस्कार और समाज परिवर्तन के व्यापक स्वरूप में। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने केवल समाज के संगठन की आवश्यकता नहीं बताई, बल्कि इसके साधन और पद्धति भी प्रस्तुत की। उन्होंने उपदेश या भाषण भर नहीं दिए, बल्कि एक सुसंगठित व्यवस्था 'शाखा' के रूप में ऐसा तंत्र विकसित किया, जिसके माध्यम से व्यक्ति और समाज–दोनों के चरित्र, अनुशासन और राष्ट्रभावना का निर्माण संभव हुआ। यह शाखा केवल शारीरिक व्यायाम का स्थल नहीं थी, बल्कि राष्ट्रीय पुनर्जागरण का वह मंच बनी, जहां व्यक्ति में अनुशासन, देशभक्ति और सेवा का संस्कार विकसित किया

गया। तीसरे सरसंघचालक बाला साहब देवरस के शब्दों में– 'जहां हिंदू, वहां शाखा; जहां शाखा, वहां विजय।' उनके अनुसार शाखा महिलाओं की सुरक्षा और राष्ट्र की रक्षा की भावना की सजीव अभिव्यक्ति है। एक घंटे की यह शाखा समय के साथ व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण की प्रयोगशाला बन गई। आज, जब संगठन अपने शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है, तो यह प्रेरणादायक है कि डॉ. हेडगेवार का स्वप्न अब केवल विचार नहीं, व्यवहार बन चुका है। संघ ने अपने शताब्दी संकल्प में कहा है–'सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी बनना है', अर्थात संघ का विचार प्रत्येक गांव, बस्ती और व्यक्ति तक पहुंचे।इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए बनाई गई कार्ययोजना अत्यंत व्यावहारिक और व्यापक है। हरियाणा में दिसंबर 2025 तक प्रत्येक घर तक संपर्क करने और फरवरी, 2026 तक हर मंडल (8–10 गांवों का समूह) तथा हर बस्ती (8–10 हजार आबादी) में 'सम्मेलन' आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह केवल आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने का प्रयत्न है।इस योजना के परिणामस्वरूप, विजयादशमी पर हरियाणा की 257 नगरीय इकाइयों में से 1443 शाखाओं में 1398 बस्तियों तथा 882 ग्रामीण मंडलों में से 862 में कार्यक्रम सम्पन्न हुए। हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य में, जहां किसान, सैनिक, खिलाड़ी और युवक-युवती ऊर्जा और समर्पण के प्रतीक हैं, वहां संघ का विचार समाज में नई चेतना और एकता का स्रोत बन रहा है। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित शाखाएं, सम्मेलन और संवाद केवल उत्सव नहीं, बल्कि संघ के शताब्दी पथ पर आत्मंथन और आत्मनिवेदन के अवसर हैं– भविष्य की योजनाओं की ठोस आधारभूमि भी यही हैं। विजयादशमी सदैव धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक रही है; आज यह विजय असंगठन पर संगठन की, उदासीनता पर जागरूकता की, और विघटन पर एकता, समरसता व समानता की है। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का दृष्टिकोण स्पष्ट था –राष्ट्र की शक्ति राजनीति से नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग में संगठन और चरित्र निर्माण से आती है। उन्होंने न कभी पद चाहा, न सत्ता; उनका लक्ष्य था– संगठित समाज के माध्यम से सशक्त राष्ट्र का निर्माण।' पथ का अंतिम लक्ष्य नहीं।

ह

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर/वाराणसी/गोरखपुर।पूर्वांचल के घाटों पर आज भक्ति, अनुशासन और पवित्रता का अद्भुत संगम दिखाई दे रहा है। सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा की शुरुआत नहाय-खाय के साथ हो चुकी है। जैसे ही भोर में सूर्य की पहली किरणें नदियों और पोखरों पर पड़ीं, वैसे ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने स्नान कर लौकी-चना दाल का प्रसाद ग्रहण किया और आने वाले चार दिनों की तपस्या की तैयारी में जुट गई।वातावरण में अब केवल एक ही भाव गूंज रहा है – आस्था, संयम और कृतज्ञता। इन चार दिनों में अनुशासन, स्वच्छता और सामूहिक सहयोग का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। हर कोई घाटों की सफाई, साज-सज्जा और जलाशयों की पवित्रता बनाए रखने में जुटा रहा।छठ महापर्व भारतीय संस्कृति की सबसे अनुशासित और वैज्ञानिक परंपराओं में से एक है। यह न केवल सूर्य देव और माता ऊषा की उपासना का पर्व है, बल्कि प्रकृति, स्वास्थ्य और आत्म-शुद्धि का प्रतीक भी है।पूर्वांचल, बिहार, झारखंड और नेपाल के तराई क्षेत्रों में यह पर्व हर घर का हिस्सा बन चुका है। गाँवों से लेकर नगरों तक, हर घाट आस्था से आलोकित है।

छठ महापर्व

आस्था, अनुशासन और सूर्य उपासना का अनुपम संगम

» भोर की पहली किरण से गूंजे घाट – पूर्वांचल में शुरू हुआ चार दिवसीय तपस्या पर्व

चार दिनों की साधना और संयम

1. नहाय-खाय से आरंभ होकर यह पर्व शरीर और आत्मा की शुद्धि का संदेश देता है।
2. खरना के दिन व्रती पूरे दिन निर्जल रहकर शाम को गुड़-चावल की खीर का प्रसाद बनाते हैं।
3. तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का चरम आरंभ होता है।
4. चौथे दिन उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह तपस्या संपन्न होती है।

लोकगीतों और दीपों से जगमग पूर्वांचल सहित कानपुर

जैसे-जैसे खरना और अर्घ्य का समय नजदीक आता है, घाटों पर दीपों और लोकगीतों की रौनक बढ़ जाती है।
महिलाएं पारंपरिक गीत गाती हैं –
केलवा जे फरेला घवद से, ओह पर सुगंध बसैला
इन गीतों में प्रेम, मातृत्व और पारिवारिक एकता की भावना झलकती है।
बांस की टोकरी में सजा प्रसाद – ठेकुआ, केला, गन्ना, नारियल और नींबू – समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक बनता है।
कहा जाता है कि माता सीता ने अयोध्या लौटने के बाद कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य देव की आराधना की थी। महाभारत काल में सूर्यपुत्र कर्ण भी प्रतिदिन सूर्य को अर्घ्य देकर तेज और ऊर्जा प्राप्त करते थे।
इसी कारण छठ पूजा में डूबते और उगते दोनों सूर्य की आराधना की जाती है – जो जीवन के निरंतर प्रवाह का प्रतीक है।
छठ पूजा का वैज्ञानिक पहलू भी गहराई लिए है।
सूर्य को जल अर्पण करते समय जब श्रद्धालु उसकी किरणों का प्रतिबिंब देखते हैं, तो इससे आंखों और मस्तिष्क की कोशिकाएं सक्रिय होती हैं।
उपवास और फलाहार शरीर को विषमुक्त करते हैं – यही कारण है कि इसे आस्था और स्वास्थ्य का पर्व कहा जाता है।

मुठभेड़ में दबोचा गया मासूम से दुष्कर्म करने वाला चाचा, पैर में लगी गोली

4 साल की मासूम से दुष्कर्म के बाद गांव में फैली दहशत, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में साढ़े चार साल की मासूम से दुष्कर्म करने वाला आरोपित आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। घटना के 48 घंटे के भीतर ही पुलिस ने जंगल में घेराबंदी कर मुठभेड़ के दौरान आरोपित को गिरफ्तार किया। उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। घायलावस्था में उसे घाटमपुर सीएचसी भेजा गया। पुलिस ने मौके से तमंचा, कारतूस और खोखे बरामद किए हैं।

गांव निवासी अनुराग उर्फ सुलखान पर अपने ही रिश्ते की चार साल की भतीजी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप था। शुक्रवार रात जब बच्ची अपनी दादी के साथ घर के बाहर लेटी थी, तभी आरोपी ने उसे उठाकर दरिंदगी की। रात करीब तीन बजे जब परिवारजन जागे, तो मासूम शौचालय के पास अचेत मिली। उसके शरीर पर चोट और अंदरूनी हिस्सों से खून आने के निशान थे। घाटमपुर सीएचसी और फिर एलएलआर अस्पताल, कानपुर रेफर किया गया।पुलिस ने बच्ची के पिता की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ केस दर्ज किया था। रविवार रात मुखबिर की सूचना पर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडेय टीम के साथ रतनपुर और बलाहापारा गांवों के बीच जंगल पहुंचे, जहां आरोपी ने पुलिस पर फायर किया। गोली इंस्पेक्टर की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। जवाबी कार्रवाई में अनुराग के पैर में गोली लगी और वह धर दबोचा गया।फोरेंसिक टीम ने मुठभेड़ स्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। इंस्पेक्टर ने बताया कि अनुराग उर्फ सुलखान नशे का आदी है और वारदात के बाद से फरार था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

छठ महापर्वः कानपुर सेंट्रल पर यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष इंतजाम

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। दीपावली और छठ पर्व के मौके पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए आरपीएफ कानपुर सेंट्रल की ओर से यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आईजी आरपीएफ एनसीआर रेणु पुष्कर छिब्बर और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त विजय प्रकाश पंडित के निर्देश पर एएससी सीएनबी के पर्यवेक्षण में निरीक्षक एसएन पाटीदार के नेतृत्व में आरपीएफ की टीम पिछले एक सप्ताह से लगातार सक्रिय है।बिहार और दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए आरपीएफ कर्मी पर्याप्त संख्या में प्लेटफार्मों पर मौजूद रहकर यात्रियों को लाइन से चढ़ने-उतरने में मदद कर रहे हैं। साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी यात्री को असुविधा न हो और सभी यात्री सकुशल अपने गंतव्य तक पहुंचे। स्टेशन पर रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु और यात्री पहुंच रहे हैं, ऐसे में आरपीएफ की यह सुनियोजित व्यवस्था त्योहारों के दौरान कानपुर सेंट्रल पर भीड़ प्रबंधन में बड़ी भूमिका निभा रही है।

बदला मौसम का मिजाज, अब सर्दी का करिए वेलकम

बंगाल की खाड़ी में दबाव बन सकता चक्रवात, 27 से 29 तक तेज हवा के साथ बारिश के आसार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मौसम का मिजाज अब अंगड़ाई लेने लगा है। सुबह से छाए बादलों और बारिश की संभावना से सर्दी का मौसम शुरू होने की आहट मिलने लगी है। मौसम विज्ञानियों ने संभावना जताई है कि बंगाल की खाड़ी में बन रहा दबाव चक्रवात का रूप धारण कर सकता है। इससे पूर्वी और दक्षिणी उत्तर प्रदेश में 27 से 29 अक्टूबर के बीच तेज हवाओं व गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का आसार है। बारिश के बाद तापमान में गिरावट होना शुरू हो जाएगा।

कानपुर के चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि मौसम तकनीक अधिकारी अजय मिश्रा के मुताबिक रविवार तक अधिकतम तापमान 32.7 व न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस चल रहा था। सोमवार से मौसम ने पलटी मारी है।

सुबह से ही सूरज के दर्शन नहीं हुए हैं और हवा की रफ्तार में भी बढ़ोत्तरी हो रही है।

मौसम विज्ञानी के मुताबिक अब मौसम में तेजी से बदलाव होने के आसार बन रहे हैं। संभावना है कि बारिश के बाद सर्द हवाएं सर्दी को बढ़ाएंगी।

कुल मिला कर अब स्वैटर, जैकेट के निकलने का समय आ गया है। कृषि मौसम तकनीक अधिकारी ने किसानों को जानकारी दी है कि खड़ी फसलों में सिंचाई, कीटनाशक छिड़काव व बुवाई का कार्य स्थगित रखें। तैयार व कटी फसल को सुरक्षित करें।

पिछले पांच दिन का तापमान

22 अक्टूबर - 33.4 -- 20.8
23 अक्टूबर - 32.9 -- 19.7
24 अक्टूबर - 33.6 -- 18.4
25 अक्टूबर - 33.2 -- 18.6
26 अक्टूबर - 32.7 -- 18.4
(नोट- तापमान डिग्री सेल्सियस में)

रामलीला के मंच पर जीवंत होगा अयोध्या का दृश्य

ग्राम नहोली मेंकार्तिक पूर्णिमा पर भव्य रामलीला मंचन की रूपरेखा तय

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात माती। विकास खण्ड सरवनखेड़ा के ग्राम नहोली स्थित सिद्धपीठ दुर्गाधाम मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा (5 नवम्बर) के पावन अवसर पर भव्य रामलीला महोत्सव का होगा आयोजन परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक गरिमा के संगम का यह विराट आयोजन विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी धार्मिक उल्लास का केंद्र बनेगा।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए रामलीला समिति के संरक्षक कर्मेन्द्र त्रिवेदी मनोज एडवोकेट एवं सर्पा युवा संगठन के जिला प्रभारी धर्मेन्द्र त्रिवेदी ने बताया कि इस अवसर पर जनपद के विख्यात नाट्य कलाकारों द्वारा प्रभु श्रीराम के दिव्य चरित का मनोहारी मंचन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजन की तैयारियाँ तीव्र गति से चल रही हैं, जिससे इस बार का आयोजन अधिक भव्य और व्यवस्थित रूप में संपन्न हो सके। आयोजन की रूपरेखा को अंतिम स्वरूप देने हेतु रविवार को सिद्धपीठ दुर्गाधाम परिसर में समिति की एक विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंच साज-सज्जा, विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध एवं दर्शक नियंत्रण व्यवस्था पर गहन विमर्श हुआ। कहा गया कि रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों और आदर्शों के पुनर्स्थापन का प्रतीक है। कार्तिक पूर्णिमा का यह पर्व श्रद्धा और एकता का महोत्सव है, जो ग्रामीण अंचल में सांस्कृतिक चेतना का नया आयाम स्थापित करेगा।

बैठक में समिति अध्यक्ष चंद्रमोहन मिश्रा, गंगासागर तिवारी, विवेक शुक्ला राजू, सज्जन तिवारी, गोरेलाल अग्निहोत्री, मयंकर अग्निहोत्री, सत्यम बाजपेई, सम्राट सिंह चंदेल, गाजियाबाद से पधारे संदीप बढ़ोतरी, ताज मोहम्मद एवं अब्दुल खान आदि उपस्थित रहे।

कानपुर देहात: जनसुनवाई पोर्टल पर लंबित शिकायत पर उल्टा डीएम को लिखा पत्र

डीपीआरओ विकास पटेल ने डीएम को पत्र लिख कर जनसुनवाई पोर्टल की लंबित शिकायत का जिक्र किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शासन की मंशा के अनुसार जनसुनवाई पोर्टल आम जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण का प्रमुख माध्यम बना हुआ है। परंतु जब निस्तारण के जिम्मेदार अधिकारी ही अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए औपचारिकता निभाने लगें, तो पूरे तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है। ऐसा ही मामला कानपुर देहात में सामने आया है, जहां जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) विकास पटेल ने जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज शिकायत के निस्तारण के बजाय उल्टा जिलाधिकारी को ही पत्र भेज दिया है।

खास खबर

मामला शिकायत संख्या 20016325010630 दिनांक 14.10.2025 से जुड़ा है, जिसे ग्राम गिरदाँ, विकास खंड

» अफसरों की बेलगाम कार्यशैली पर उठे सवाल

मलासा के निवासी बलिराम, तुलसीराम व अन्य ग्रामीणों ने दर्ज कराया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्यों में अनियमितता बरती गई है, मानकविहीन कार्य कराए गए हैं और सरकारी धन का अनुचित आहरण हुआ है। ग्रामीणों ने इस पर निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की थी।

परंतु हैरानी की बात यह है कि शिकायत का निस्तारण करने के बजाय डीपीआरओ ने दिनांक 17.10.2025 को पत्रांक 4453/पं.शि.लि.-IGRS-2025-26 के माध्यम से जिलाधिकारी को ही पत्र भेज दिया, और अनुरोध किया कि जिलाधिकारी शिकायत संदर्भ संख्या को इस कार्यालय से निक्षेपित/निस्तारित करने का कष्ट करें।पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि शासनादेश संख्या-7/2019 के तहत ग्राम पंचायत के विकास कार्यों की स्थलीय व अभिलेखीय जांच प्रक्रियाधीन है। लेकिन जांच पूर्ण करने के बजाय जिलाधिकारी से ही शिकायत को निक्षेपित करने का आग्रह प्रशासनिक गंभीरता पर प्रश्न खड़े करता है।

डीपीआरओ विकास पटेल

अब निगाहें जिलाधिकारी की कार्रवाई पर

अब देखना यह होगा कि जिलाधिकारी कानपुर देहात कपिल सिंह इस मामले में क्या रुख अपनाते हैं – क्या डीपीआरओ की इस कार्यशैली पर कोई कार्रवाई होगी, या शिकायत फाइलों के ढेर में दबी रह जाएगी।

वहीं डीएम ने कहा कि मामले की जानकारी करके एक्शन लिया जाएगा।

अफसरशाही की लापरवाही का नमूना

इस पत्र से स्पष्ट झलकता है कि अधिकारी जांच की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। आमतौर पर जनसुनवाई पोर्टल की शिकायतों का निस्तारण संबंधित अधिकारी को निर्धारित समयावधि में करना होता है, परंतु इस मामले में उल्टा कार्रवाई करते हुए जिम्मेदारी शीर्ष अधिकारी पर डाल दी गई है।

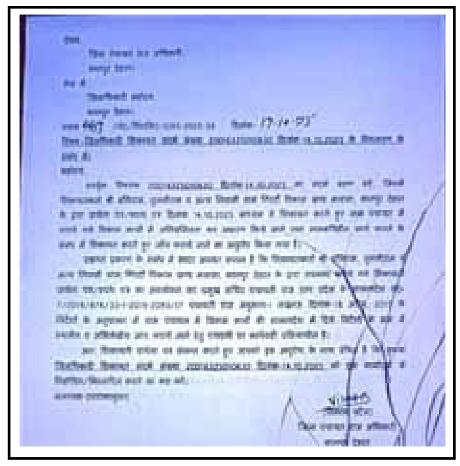

प्रकरण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

ग्राम गिरदाँ के ग्रामीणों ने इस रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जब अधिकारी ही शिकायतों को इधर-उधर टालेंगे, तो न्याय कैसे मिलेगा। उनका कहना है कि यदि पंचायत के विकास कार्यों में सब कुछ पारदर्शी है, तो जांच से डरने की क्या जरूरत है?

इस पूरे प्रकरण ने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। शासन लगातार अधिकारियों को जनसुनवाई पोर्टल की शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश देता है, लेकिन जमीनी स्तर पर अफसरशाही का रवैया कुछ और ही तस्वीर पेश कर रहा है।

बालिका की गुमशुदगी का मुकदमा 48 दिन बाद पुलिस ने लिखा

स्वराज इंडिया की खबर का असर

» पहले भी गांव के युवक ने भगाया था, पॉक्सो एक्ट में गया था जेल अब फिर उसी पर शक के बादल

स्वराज इंडिया
5 दिन से किशोरी गायब, कार्रवाई के नाम पर खामोश बैठी रनिया पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रनिया थाना क्षेत्र के गोधनपुरवा गांव की रहने वाली मालती देवी की 16 वर्षीय पुत्री रहस्यमयी परिस्थितियों में दोबारा गायब हो गई है। घटना 9 सितंबर की है, जब किशोरी कानपुर देहात माती कोर्ट से अपने केस की तारीख लेकर मां के साथ लौट रही थी। उमरन चौराहे के पास से अचानक वह लापता हो गई। परिजनों का कहना है कि थाने में सूचना देने के बावजूद पुलिस ने 48 दिन तक न मुकदमा दर्ज किया, न खोजबीन शुरू की। परिवार का आरोप है कि रनिया थाने के अधिकारी शिकायत सुनने के बजाय उन्हें भगा देते थे।परिजनों ने बताया कि इसी साल 18 मई को भी गांव के ही सुनील यादव ने किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। तब रनिया पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके आरोपी को जेल भेजा था। दो महीने बाद वह जमानत पर बाहर आया। अब उसी केस की तारीख लेकर कोर्ट से लौटते वक्त लडक़ी दोबारा लापता हो गई। परिजनों का दावा है कि घटना के समय सुनील यादव वहीं पास में मौजूद था, लेकिन पुलिस ने उसे सिर्फ औपचारिक पूछताछ के बाद छोड़ दिया। अकबरपुर सीओ के हस्तक्षेप के बाद 48 दिन बाद कल शाम गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज किया गया। गांव के लोग मांग कर रहे हैं कि किशोरी की सुरक्षित बरामदगी के साथ-साथ लापरवाह पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई की जाए।

अन्ना मवेशी की टक्कर से बाइक सवार बैंक मैनेजर की मौत

» घटनास्थल पर ही युवक की दर्दनाक मौत, चचेरे भाई की हालत गंभीर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना के लालगांव में बाइक से नई दिल्ली जा रहे युवक को अचानक सड़क पर सांड आ जाने से टकरा गया। घटनास्थल पर ही युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिवार में मातम छा गया। वहीं साथ में बाइक में बैठा दूसरा युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कानपुर नगर के बाचीपुर सकरेज निवासी प्रवीण भारती (29) नई दिल्ली में स्थित आईसीआईसीआई बैंक में बैंक मैनेजर के पद पर कार्यरत था। दीपावली के मौके पर अपने गांव बाचीपुर आया था। भाई दूज व दीपावली मनाने के बाद रविवार की शाम को बुलेट बाइक से

अपने चचेरे भाई राहुल के साथ वह वापस नई दिल्ली के लिए रवाना हुआ। अभी वह रसूलाबाद-याकूबपुर की सीमा पर लालगांव के सामने ही पहुंचा था कि अचानक उसकी बाइक के सामने सांड आ गया। जिसके टकराने से राहुल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आनन-फानन में एंबुलेंस से युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया, जबकि राहुल को अंदरूनी गंभीर चोटें आईं। जिसका उपचार किया गया।

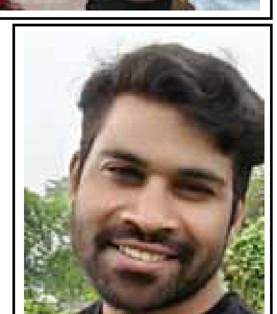

घटना से मां सुषमा का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक का एक छोटा भाई लालू व दो बहने हैं। त्योहार के बाद अचानक हुई घटना से परिवार में मातम छा गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

हाईवे पर संदिग्ध हालात में खून से सना मिला युवक का शव

परिजनों ने गांव के ही दो लोगों पर लगाया हत्या का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर थाना क्षेत्र के बलहरामऊ स्थित नेशनल हाइवे मोड़ पर रविवार रात एक युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में लहूलुहान अवस्था में शव मिला है। परिजनों ने युवक की हत्या कर शव फेंके जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने गांव में रहने वाले दो लोगों का नाम लिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है

मृतक की पहचान बरौर थाना क्षेत्र के अंगदपुर गांव निवासी संदीप कुमार के 25 वर्षीय पुत्र सुक्खा उर्फ प्रदीप के रूप में हुई है। सुक्खा दीपावली पर अपने घर आया था। वह आंध्र प्रदेश में एक फैक्ट्री में नौकरी करता था और घटना के अगले दिन सुबह ही उसे वापस जाना था। परिजनों ने आरोप लगाया कि बरौर थाना क्षेत्र के अंगदपुर गांव के दो सगे भाई उसे कार में बिठाकर ले गए थे। युवक के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की।कोई सुराग न मिलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर पुलिस परिजनों के साथ युवक की तलाश करती रही लेकिन आरोपी युवकों के फोन बंद थे।देर रात करीब तीन बजे पुलिस को हाइवे मोड पर बलहरामऊ में युवक के शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस ने मृतक के टूटे फोन की सिम अपने फोन में डालकर परिजनों को सूचना दी। हत्या के आरोपी दोनों सगे भाइयों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मामले दर्ज

हैं। रात में ही युवक के शव को जिला अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण परिजनों के साथ बरौर थाने में जमा हो गए। प्रभारी निरीक्षक डेरापुर संजेश

कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण के लिए किया जागरूक

» अभियान में विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में कानपुर देहात पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0. अभियान के तहत जागरुकता अभियान चलाया गया।इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा योजनाओं, हेल्पलाइन नंबर्स, कानूनी अधिकारों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना तथा अपराधों से बचाव के उपायों से अवगत कराना है, इस दौरान महिलाओं को 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला शक्ति लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी हेल्पलाइन) एवं 1076 (पुलिस कंट्रोल रूम) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई । साथ ही, यूपीसीओपी ऐप के माध्यम से पुलिस सेवाओं का लाभ उठाने तथा सोशल मीडिया पर साइबर अपराधों से सावधान रहने के टिप्स साझा किए गए। साथ ही कानूनी अधिकारों के अंतर्गत महिलाओं को पॉक्सो एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम तथा साइबर क्राइम से संबंधित आईटी एक्ट की जानकारी दी गई।

हिलने लगी तालाब सुंदरीकरण के लिए बनीं बाउंड्रीवाल

सिंकदरा क्षेत्र में हो रहे भ्रष्टाचार से जिम्मेदार अधिकारी हैं अनजान

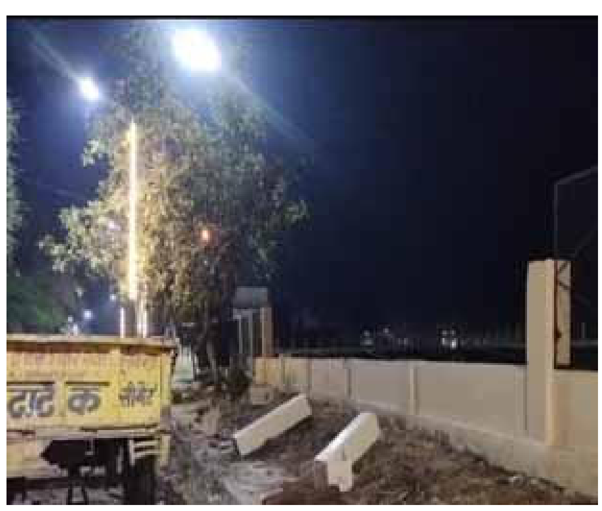

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। नगर पंचायत सिकंदरा स्थित तालाब गाटा संख्या 1117 रकवा 0.428 में एक वर्ष पूर्व 52.13 लाख रुपए से कराए गए सुंदरीकरण की बाउंड्री/पिलर बंदरों के हिलाने से ही गिरने लगी है। जबकि नगर पंचायत अध्यक्ष के द्वारा अध्यक्षता का कार्यकाल 5 वर्ष पूरा भी नहीं हुआ है आखिरकार ऐसा क्या मटेरियल लगाया गया है कि बंदरों के हिलाने से ही तालाब सुंदरीकरण में बनी हुई दीवाले एवं खंबे गिरते हुए नजर आ रहे हैं। बताते चले कि नगर पंचायत के 6 सभासदों के द्वारा नगर पंचायत में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ सिकंदरा तहसील स्तर से लेकर जिला अधिकारी तक भ्रष्टाचार की शिकायत भी की जा चुकी है फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई। जिलाधिकारी कपिल सिंह भ्रष्टाचार पर काफी लगाम लगा रहे है। फिर भी अब भ्रष्टाचार की सुनवाई नहीं हो रही है। मामले की शिकायत कई बार हो चुकी है लेकिन अभी तक आला अधिकारियों के द्वारा नगर पंचायत के कार्य शैली पर किसी भी प्रकार की नहीं कोई जांच की गई है ना ही कोई कार्यवाही की गई है आलम यह है कि एक साल में बनी हुई जब तालाब की बाउंड्री बंदरों के द्वारा गिर गई है तो अन्य कार्यों में किस प्रकार की गुणवत्ता के साथ नगर पंचायत के द्वारा कार्य किया गया होगा यह सोचने की बात है।

क्या बोले नगर पंचायत ईओ

नगर पंचायत सिकंदरा के ईओ अजय कुमार ने कहा कि आज अभी अवर अभियंता को भेजकर जांच कराई जा रही है। कमी पाए जाने पर जो भी ठेकेदार होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर को उड़ाने की साजिश का पर्दाफाश

भोपाल के अदनान से खुला जिहादी नेटवर्क का गुप्त चैप्टर

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकी को किया गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राममंदिर पर आतंकी हमले की साजिश रचने वाला आतंकी अदनान आखिरकार दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के हत्थे चढ़ गया। भोपाल निवासी अदनान वही व्यक्ति है जिसने जून 2024 में वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कराने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज रवि कुमार दिवाकर को जान से मारने की धमकी दी थी। उसने इंस्टाग्राम पर जज की तस्वीर साझा करते हुए लाल रंग से काफिर लिखा था वही पोस्ट उसकी जिहादी मानसिकता और आतंकी झुकाव का पहला सबूत बनी।

राममंदिर समेत कई धार्मिक स्थल थे निशाने पर

जांच में सामने आया है कि अदनान की नापाक योजना सिर्फ एक शहर तक सीमित नहीं थी। वह अयोध्या के भव्य राममंदिर, वाराणसी, मथुरा और लखनऊ के प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थलों को निशाने पर लेने की साजिश रच रहा था। एटीएस की टीम पिछले 48 घंटों से उसकी पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किन-किन संपर्कों में रहा और किस विदेशी नेटवर्क से जुड़ा था।

जांच एजेंसियों ने यह भी पाया है कि अदनान को सीरिया में बैठे खलीफा द्वारा कट्टरपंथी वीडियो और हमले के संदेश भेजे जा रहे थे। इन वीडियो में खास तौर पर राममंदिर और उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थलों का जिक्र था, जिसने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और गहरी कर दी है।

मोबाइल और लैपटॉप से मिले कई दस्तावेज

बता दें कि अदनान को पहले भोपाल एटीएस ने गिरफ्तार किया था, लेकिन करीब पांच महीने बाद ही वह जमानत पर छूट गया। जेल से बाहर आते ही उसने फिर जिहादी विचारधारा का प्रचार शुरू कर दिया और भोपाल के आसपास युवाओं को बरगलाने लगा। उसके मोबाइल और लैपटॉप से मिले डेटा में कट्टरपंथी भाषण, विदेशी चैट ग्रुप और हमले की रूपरेखा से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं।

एजेंसियों की निगाह अब उसके नेटवर्क पर

स्पेशल सेल और एटीएस की संयुक्त टीमें अब अदनान के स्थानीय और विदेशी संपर्कों की पहचान में जुटी हैं। यह भी जांच का विषय है कि वह कितनी बार उत्तर प्रदेश आया और किसने उसे फंडिंग व तकनीकी सहायता दी। अदनान की गिरफ्तारी केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि कट्टरपंथ के उस गुप्त तंत्र की परतों को खोलने की शुरुआत है जो भारत की आस्था पर वार करना चाहता था।

औरैया पुलिस का एक्शनः मुठभेड़ में तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

» एक बदमाश के पैर में लगी गोली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया।कानपुर जोन में तैनात तेजतर्रार एडीजी आलोक सिंह के निर्देशन एवं एसपी अभिषेक भारती के कुशल मार्गदर्शन तथा एएसपी आलोक मिश्रा के नेतृत्व में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिधूना पुलिस ने शनिवार की रात बड़ी सफलता हासिल की।

चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जबकि दो अन्य बदमाशों को पुलिस ने दौड़कर दबोच लिया।जानकारी के अनुसार, पकड़े गए बदमाशों ने हाल ही में एक महिला के साथ एटीएम बदलकर एक लाख रुपये की ठगी की थी। इसके अलावा, आरोपी चोरी, बलात्कार और अन्य गंभीर अपराधों में भी शामिल रहे हैं। इन पर दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।मुठभेड़ में घायल बदमाश की पहचान प्रेम राठौर के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से एक अवैध तमंचा, दो जिंदा और एक खोखा कारतूस, एक मिस कारतूस, तथा जामा तलाशी में 62,300 नकद और 42 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं।एसपी अभिषेक भारती ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और जिले में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

आधी रात पैदल निकले एसडीएम, खनन माफिया भागे

एयरपोर्ट विस्तार की जमीन पर हो रहा था अवैध मिट्टी खनन

» एसडीएम की कार्यवाही से खनन विभाग के अफसरों में मचा हडकंप

» मौके से एक जेसीबी, दो मिट्टी से भरे डंपर व चालक पकड़ा गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। शनिवार की आधी रात को जब शहर सो रहा था, पर पूराकलंदर के धर्मपुर सआदत गांव में जेसीबी और डंपर जाग रहे थे। मिट्टी नहीं, सिस्टम की ईमानदारी खोद रहे थे। तभी एसडीएम के अचानक वहां पहुंचने पर माफिया जेसीबी, डंपर छोडक़र भाग निकले।

जानकारी के मुताबिक एसडीएम सदर रामप्रसाद तिवारी को सूचना मिली कि एयरपोर्ट विस्तार के लिए अधिग्रहीत सरकारी भूमि से मिट्टी चोरी की जा रही है। उन्होंने एक पल भी देर नहीं की सरकारी गाड़ी बाहर छोड़ दी, और पैदल ही निकल पड़े माफियाओं के अड्डे की तरफ। अंधेरे में दबे पांव पहुंचे एसडीएम ने देखा जेसीबी गडग़ड़ाहट के साथ खनन में जुटी है, डंपर लदे हुए हैं। उन्होंने वहीं सरकारी गाड़ी खड़ी कर डंपर का रास्ता रोका और जेसीबी की चाभी खुद छीन ली। पुलिस मौके पर पहुंची तो अफरातफरी मच गई। मौके से एक जेसीबी और दो डंपर सीज कर चालक को हिरासत में ले लिया गया। अब सवाल यह इतने दिनों से यह सब चल कैसे रहा था? खनन विभाग के अफसर क्या आंखों पर पट्टी बांधकर सो रहे थे। भाजपा नेता राजमणि सिंह की मानें तो खनन विभाग की मिलीभगत से यह सब हो रहा था। इस बाबत लोगों का कहना है कि एसडीएम की हिम्मत ने यह साबित कर दिया कि जब एक ईमानदार अधिकारी मैदान में उतरता है, तो पूरी भ्रष्ट व्यवस्था की चूलें हिल जाती हैं।

शर्मनाक: चौक स्थित शहीद स्मारक पर भी हो गया अतिक्रमण

» शहीद स्मारक सेवा ट्रस्ट के अथक प्रयास से सज उठा था शहीद मंगल पांडे स्मारक

» नगर निगम, पुलिस और समाजसेवियों की चुप्पी ने शहीदों की स्मृति को किया शर्मसार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।पुराने फ़ैज़ाबाद और नए अयोध्या जनपद का गौरव समझा जाने वाला अमर जवान मंगल पांडे चौक आज विडंबना का प्रतीक बन चुका है। जिस स्थल पर देश के वीर सपूतों की स्मृति का दीप जलना चाहिए था, वहां अब दुकानों के शटर और व्यापारिक बोर्ड चमक रहे हैं। शहीद मंगल पांडे की प्रतिमा जिस चौक की आत्मा थी, वही चौक अब अतिक्रमण की राजनीति और लापरवाही की मिली-जुली विरासत में तब्दील हो चुका है।

स्थानीय दुकानदारों ने अपनी दुकानों को बढ़ाने के लिए शहीद स्मारक की रेलिंग तक काट डाली, और नगर निगम के अफसरों ने जैसे जानबूझकर आंखों पर पट्टी बांध ली। नगर पुलिस की संवेदनशीलता भी उतनी ही मृतप्राय है। विडंबना तो यह है कि शहर में खुद को समाजसेवा का ठेकेदार बताने वाले कथित देशभक्त अब तक इस पूरे प्रकरण पर मौन हैं। जिनके नाम पर मंचों से देशभक्ति की गूंज उठती थी, वही लोग अब दुकानों की गहमागहमी में गुम हैं। शहीदों की स्मृति पर धूल जमी है और संवेदनाओं पर भी।

इस अंधेरे में एक नाम आज भी उम्मीद की तरह चमकता है शहीद स्मारक सेवा ट्रस्ट। 23 नवंबर 2022 को इस संस्था के प्रयासों से शहीद स्मारक का सौंदर्यीकरण हुआ था। उद्घाटन

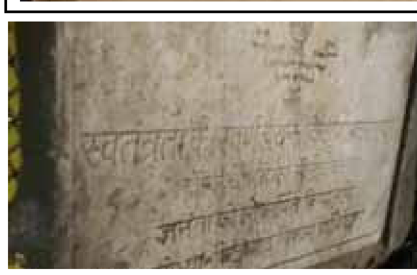

समारोह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस विचार मंच के अध्यक्ष शक्ति सिंह, समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि और कई गणमान्य उपस्थित थे। उस दिन यह माना गया था कि अब यह स्थल नई ऊर्जा और राष्ट्रभावना का प्रतीक बनेगा। लेकिन अफसोस, कुछ ही समय बाद अतिक्रमण और अव्यवस्था की जड़ें फिर फैल गईं। नगर निगम की नींद अब भी गहरी है, पुलिस की निगाहें दूसरी दिशा में टिकी हैं, और जिम्मेदार महकमे फाइलों की देशभक्ति में मग्न हैं। शहीद स्मारक सेवा ट्रस्ट बार-बार शिकायतें कर रहा है, पर कार्रवाई का नाम नहीं। ऐसा लगता है मानो इस स्मारक को बचाना किसी विभाग का नहीं, सिर्फ इस संस्था का नैतिक कर्तव्य रह गया है।

अब सवाल तो उठेगा ही

आज सवाल सिर्फ इतना नहीं कि शहीद स्मारक पर अतिक्रमण क्यों हुआ,बल्कि यह है कि हमने अपनी आत्मा को कब और कहाँ अतिक्रमित होने दिया। क्या यही आज़ादी का अर्थ है जहाँ वीरों के नाम पर हम सिर्फ मुनाफा कमाएं और श्रद्धांजलि तक ठेके पर दें? शहीद स्मारक सेवा ट्रस्ट का संघर्ष किसी इमारत का नहीं, बल्कि इस शहर की बची-खुची शर्म और संवेदना को बचाने की लड़ाई है। अयोध्या की मिट्टी में आज भी शहीदों की खुशबू है बस जरूरत है, उसे ढकने वाली लापरवाही और लालच की परत हटाने की।

एसडीएम ने की नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर की शुरुआत

» शिविर में डॉक्टर्स ने 960 मरीजों का किया परीक्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या ।प्राथमिक विद्यालय गौरा डिहवा में जिला पंचायत सदस्य हरिश्चंद्र निषाद की ओर से नि-शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 960 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें से 800 मरीजों को लेंस युक्त चश्मे और शेष को आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। शिविर में 96 मोतियाबिंद मरीजों को चिन्हित किया गया जिन्हें बाद में अयोध्या आई हॉस्पिटल में ऑपरेशन के लिए भेजा जाएगा।

मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी श्रेया ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा आंखें ईश्वर का सबसे अनमोल उपहार हैं, जिनसे हम दुनिया की सुंदरता और जीवन के भावों को अनुभव करते हैं। इनकी देखभाल हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम आयोजक हरिश्चंद्र निषाद ने बताया कि अब तक वे अपने क्षेत्र में करीब 150 स्वास्थ्य और नेत्र चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर अपने निजी खर्चे से चश्मा व ऑपरेशन की व्यवस्था कर चुके हैं। शिविर में डॉ. प्रदीप वर्मा और उनकी टीम के सदस्य विपिन बिहारी, कृष्णा वर्मा ने मरीजों का उपचार किया। कार्यक्रम में चंद्रपाल, रणविजय, शीतला प्रसाद, राम प्रसाद सहित कई ग्रामीणों ने सहयोग किया।

जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा: मुख्यमंत्री योगी

ऐलान: मुस्तफाबाद का नाम होगा 'कबीरधाम', विपक्ष के सेक्युलरवाद को बताया पाखंड

लखीमपुर के कबीरधाम से एकजुटता का संदेश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखीमपुर खीरी। सीएम योगी आदित्यनाथ आज सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित कबीरधाम पर पहुंचे। उन्होंने यहां कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एकजुटता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कबीरदास ने जातीयता पर प्रहार किया। जाति की विसंगितयों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा था कि जात-पात पूछे ना कोई, हरि को भजे सो हरि का होइ। मुख्यमंत्री ने कहा कि जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा था। जाति के नाम पर समाज का विभाजन हुआ था। इस विभाजन से उबारने के लिए उस समय गुरु रामानंद, कबीरदास, रविदास समेत अनेक संतों ने समाज को नई दिशा दी। उनकी वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितना उस समय थी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज भी समाज की आस्था पर प्रहार हो रहे हैं। जातीय आधार पर समाज को विभाजित करने की साजिश हो रही है। कुछ न कुछ ऐसी टिप्पणी होती हैं, जो भारत और भारतीयता को अपमानित करती हैं। उन्होंने कहा कि हम सबको अपनी कमी को दूर करना चाहिए। बीमारी है तो समय रहते उसका उपचार जरूरी है। बीमारी कैंसर बने और असाध्य हो जाए। उसे पहले ही उसे रोकना चाहिए। समाज में जो विसंगतियां और बुराइयां हैं। उनको संतों के माध्यम से दूर करना है। उस मार्ग पर अनुसरण करना है, जिससे हम सन्मार्ग पर चलकर लोक और राष्ट्र कल्याण के लिए समर्पित हो सकें।

उन्होंने कहा कि आज नया भारत है, जो अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करता है। आज से 10 साल पहले क्या कोई कल्पना करता था कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बन पाएगा। उस वक्त जब रामभक्त आवाज उठाते थे, तब लोग बोलते थे कि यह सपना ही रहेगा। उन्होंने कहा कि जब एकजुटता होती है तो असंभव भी संभव हो जाता है। जो अयोध्या वीरान थी। आज वहां रौनक आ गई है। अयोध्या में बीते वर्ष छह करोड़ श्रद्धालु दर्शन करने आए थे।

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश वैश्विक पहचान खो चुका था। 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने और देश को अपनी पहचान मिली। उन्होंने कहा कि देश अब तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अमेरिका, चीन और भारत ही इस सूची में रहेंगे। बाकी देश नहीं है। भारत आज दुनिया में अपनी ताकत का एहसास करा रहा है। सीएम ने कहा कि आयुष्मान योजना का लाभ देश के 50 करोड़ लोग उठा रहे हैं। रसोई गैस, शौचालय, सरकारी राशन आदि सरकारी योजनाओं को लोगों को लाभ मिल रहा है।

मऊ में हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या

छठ का सामान खरीदकर लौटते समय वारदात

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मऊ। यूपी के जनपद मऊ में रविवार की देर शाम को रानीपुर थानाक्षेत्र के काझा बाजार का माहौल पूरी तरह से दहशतमय हो गया। इसका कारण था कि रानीपुर थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर राजेश सिंह की हत्या। हालांकि राहगीरों ने जब राजेश सिंह को घायल अवस्था में देखा तो फौरन पुलिस प्रशासन और उनके परिजनों को फ़ोन कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन चिकित्सकीय इलाज के दौरान राजेश सिंह की अस्पताल में मौत हो गई। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह साफ़ हुआ कि मृतक राजेश की हत्या गोली मारकर की गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक राजेश सिंह पर मारपीट, धमकी, धोखाधड़ी और जानलेवा हमलों जैसे कई गंभीर मामले दर्ज था। लेकिन राजेश सिंह की हत्या के बाद उनकी पत्नी, दोनों बेटियों और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद मऊ के रानीपुर थाना अंतर्गत पिरुआ गांव निवासी राजेश सिंह उर्फ मंटू (40) छठ पूजन के सामान लेने के लिए अपने गांव से काझा बाजार गए थे। देर शाम को घर लौटते समय जैसे ही वे काझा बंधे के पास पहुंचे तभी पहले से घात लगाकर बैठे बदमाशों ने अचानक से फायरिंग शुरू कर दी। जबतक वे कुछ समझ पाते तबतक बदमाश उन्हें घायल करके मौके से फ़रार हो गए।

इधर बाजार से घर लौट रहे राहगीरों ने जब घायल अवस्था में देखा तो आनन फ़ानन

में पुलिस और परिजनों को सूचना देकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन जिला अस्पताल में इलाज के दौरान ही राजेश सिंह की मौत हो गई। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद यह खुलासा हुआ कि मृतक राजेश की मौत गोली लगने से हुई थी।

दिए जांच के आदेश

इधर घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस अधीक्षक मऊ इलामारन जी, क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद शीतला प्रसाद पांडेय गोहना और क्षेत्राधिकारी सदर अंजनी कुमार पांडेय और कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। नवभारत टाइम्स से बातचीत में पुलिस अधीक्षक मऊ इलामारन जी ने बताया कि घटना के हर पहलुओं की जांच की जा रही है।

सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से बातचीत करके पुलिस घटना के कारणों को जानने का प्रयास कर रही है।

दीपावली पर छुट्टियां मनाने गये थे ओमान गया था परिवार

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी के घर लाखों की चोरी, एफआईआर दर्ज

नौकर सहित कई अन्य लोगों से पूछताछ कर रही पुलिस

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक महेंद्र कुमार श्रीवास्तव के घर का ताला तोड़ कर चोरों ने नकदी और गहनों पर हाथ साफ कर दिया। घर मे किसी सदस्य के न होने से बेख़ौफ़ चोरों ने चोरी को बड़ी आराम से अंजाम दिया। इस दौरान चोर घर मे लगे सीसीटीवी के डीवीआर को भी साथ ले गए। मामले का खुलासा उस वक्त हुआ, जब परिवार दीपावली की छुट्टी मनाकर वापस लौटा। घटना को लेकर पूर्व डीजीपी की बहू ने अलीगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। कर्नाटक के डीजीपी रहे महेंद्र कुमार श्रीवास्तव का अलीगंज सेक्टर-जी स्थित बी-1/77 मकान है। मकान में उनकी रिश्ते की बहू डॉ. ऋषिका राज बच्चों संग रहती हैं जबकि उनके पति डॉ. नितिन कुमार श्रीवास्तव ओमान में नौकरी करते हैं।

प्रतीकात्मक चित्र

डॉ. ऋषिका राज के मुताबिक बीते 16 अक्टूबर को पति से मिलने के लिए उनका परिवार सलाला के लिए गया हुआ था। घर की सुरक्षा की जिम्मेदारी नौकर आकाश रावत पर थी। डॉक्टर के मुताबिक चूंकि दीपावली पर आकाश को भी अपने घर जाना था। इसलिए 21 अक्टूबर को वह घर मे पूजा कर ताला लगाकर अपने गांव चला गया। 26 को जब वह सलाला से लौटी तो आकाश को उनके आवास से गाड़ी लेकर एयरपोर्ट पहुंचना था। उन्होंने बताया कि जब आकाश घर पर पहुंचा तो उसने पाया कि घर के ताले टूटे हुए हैं और अंदर का सामान बिखरा पड़ा है। जिसके पश्चात उसने इसकी जानकारी मित्रों और रिश्तेदारों को दी। इस दौरान वह भी घर पहुंच गई। घर पहुचने पर उन्होंने पाया कि कई ताले टूटे हुए हैं और अंदर का सामान बिखरा पड़ा है। लोहे की आलमारी का ताला तोड़कर चोरों ने उनकी सास, बेटी सहित पति के जेवर पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया है। साथ ही अलमारी से लगभग सवा दो लाख रूपये भी चोर ले गए हैं। यही नही घर में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरा का डी.वी.आर. तथा एयरटेल एक्ट्रीम टी.वी. बाक्स भी चोर अपने साथ ले गए हैं।

उन्होंने बताया कि घर से चोरी हुए स्वर्ण अभूषण में स्वर्ण के 8 कंगन, स्वर्ण की ग्यारह चेन, स्वर्ण के चार कड़े, स्वर्ण के दो लाकेट, स्वर्ण के पांच बड़े सेट, हीरे के दो छोटे सेट, हीरे का एक बड़ा सेट, स्वर्ण के दो बाजूबंद, स्वर्ण के चौबीस छोटे वडे झुमके, टाप्स, हीरे के पांच पेन्डेन्ट झुमके सेट और चालीस ग्राम के स्वर्ण के सिक्के चोरी हुए हैं।

घटना की सूचना पाकर अलीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फोरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। पुलिस ने मौके से फिंगरप्रिंट लिए और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शक के आधार पर नौकर आकाश रावत सहित कुछ अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है।थाना प्रभारी ने बताया कि घटना गंभीर है और पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर चोरी का खुलासा किया जाएगा।